

सेवा में
मौ मान
H.R मधोदप

मेरी नाम जय प्रकाश यादव Emp ID 5F0090532 जो की दलिया ग्राम्य में ग्राम्य मैनेजर की पोस्ट पर कार्यरत हैं। मधोदप इस प्रकार हैं की काकादूंगी C3 की सेंटर की मेम्बर गुलिस्ता परवीन निधि (90 के ऊपर) मे नाम पर खोल चला रहा था। उसने अपना खोल काइल कर ले के लिये अपनी बंद जिसका नाम फिरदौश जी को काइल कर ले के लिये पैसे दिए थे। तो फिर फिरदौश जी ने मुझे 22000 रु० लाकर दिए जिसमे फिर मेने उसके पासबुक पर 22000 रु० लिख दिया था। जब सेंटर मिलिंग कर रहा था तो दो क्लाइंट जिसका नाम रुबी और आसमा की किस्त नही मिली। जिसकी रुबी की किस्त 850 मे से 450 आ गया था। और आसमा की किस्त 820 रु० की किस्त जो कि अवबकव वाला थी। काकी भस्म करने के बाद उनकी किस्त नही मिल पाई। मे मिलिंग करके वहां से निष्काश गया था। तो फिर गुलिस्ता जी ने फोन करके कहा की उसकी किस्त आप मेरे 22000 रु० मे से जमा कर दिजिये वह दोनो मेम्बर मेरी रिश्तेदारी मे जान पहचान मे अती है। फिर फिरदौश जी ने मेरे से कहा की 850 रु० गुलिस्ता परवीन मे चढा दो बाकी पैसे इन दोनो की किस्त मे भर दो जब इनकी किस्त मेरे पास आयेगी फिर वह पैसा गुलिस्ता परवीन मे चढा देना आप फिर मेने ऐसा मेम्बर के कहने पर किया वह पैसा का बिकराग इस प्रकार है। कि मेने गुलिस्ता परवीन का पैसा 27 अप्रैल 2026 को 850 रु० चढा दिया और बाकी आसमा 820 और रुबी मे 10000 रूपये कर दिया था। बाकी पैसा जैसे मेम्बर दे रही थी थोडा थोडा करके उस पैसे को गुलिस्ता जी 11 मई को 274 रु० और 13 जून को 1000 रु० मेम्बर दिया उनका पैसा 13 जून 2026 को दुरा चढा दिया गया था। गुलिस्ता जी का सारा खोल खोल कर दिया है। मेरी इसमे कोई गलती नही है।

Note! बाकी दो पैसा क्या रहा था वह पैसा 80 रु० रिलेज कर दिया गया है।

प्रार्थी

नाम :- जय प्रकाश यादव

Mo. : 7983025118

मेम्बर का Mobile Number: 6396010291
फिरदौश